बेहतर स्वास्थ्य की ओर

मानव मल का
सुरक्षित निपटान
-एक स्वच्छ शौचालय

unicef

WATER MISSION

04252

अनुक्रमणिका :

(1) पीने के पानी का रख रखाव और बर्ताव

(2) बेकार पानी की निकासी

(3) मानव मल का सुरक्षित निपटान-एक स्वच्छ शौचालय

(4) कूड़े-कचरे एवं गोबर का निपटान

(5) घर एवं भोजन की स्वच्छता

(6) व्यक्तिगत सफाई

(7) ग्रामीण स्वच्छता

04252

COMMUNITY HEALTH CELL
LIBRARY AND DOCUMENTATION UNIT
BANGALORE.

Community Health Cell
Library and Documentation Unit
BANGALORE

बेहतर स्वास्थ्य की ओर

मानव मल का
सुरक्षित निपटान
–एक स्वच्छ शौचालय

unicef

WATER MISSION

कार्ड-1

सूर्योदय से पूर्व तथा सूर्यास्त के बाद शौच के लिए दूर स्थानों को जाने वाली इन महिलाओं को देखिए। इस बेसमय में बाहर जाना सुरक्षित नहीं है क्योंकि साँप-कीड़े के काटने अथवा अन्य खतरों का सामना करना पड़ सकता है। यदि उन्हें दिन के समय आवश्यकता महसूस हो तो उनके पास शौच के लिए कोई सुरक्षित स्थान नहीं है। इन्हें इस इच्छा को बलपूर्वक दबाना पड़ता है जो कि कष्टदायी एवं स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

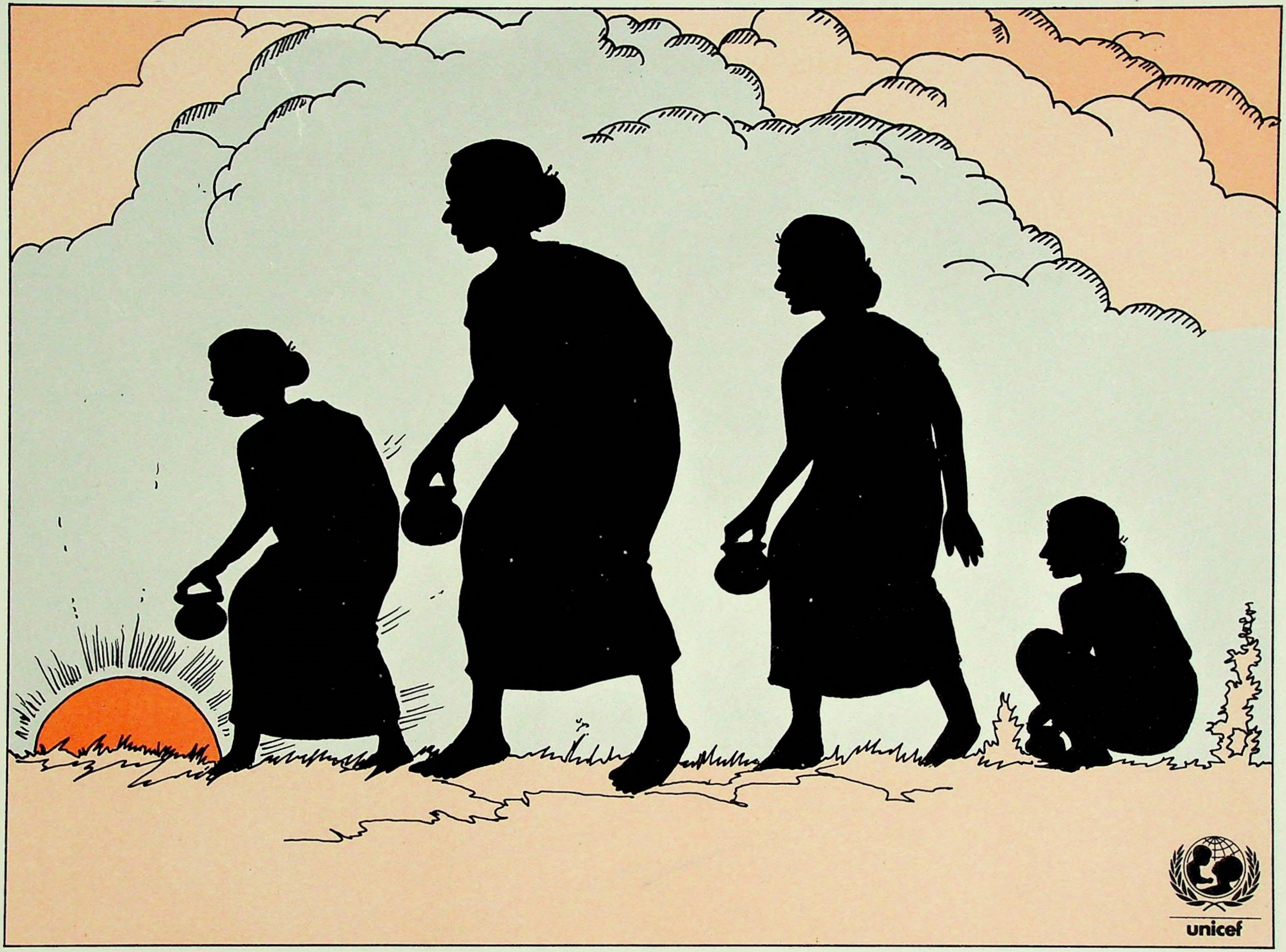
unicef

कार्ड-2

आजकल काफी जंगलों व झाड़ियों को साफ करके खेती के लिए भूमि का प्रयोग हो रहा है। शौच के लिए खुले स्थान कम रह गए हैं। इसके अलावा, कई जमीनों के मालिक, अपनी खेतिहर भूमि पर लोगों को शौच की आज्ञा नहीं देते हैं, विशेषकर फसलों के मौसम में। इन सब कारणों से लोगों के लिए खुले में शौच करना सुरक्षित नहीं रह गया है।

unicef

कार्ड-3

शान्ता के परिवार को कोई समस्या नहीं है क्योंकि उसने अपने घर में एक स्वच्छ शौचालय बनवा लिया है। इससे उसके परिवार के महिलाओं, बूढ़ों, बीमारों आदि को न केवल एकान्त मिलता है बल्कि बरसात में यह सुविधाजनक भी है। स्वच्छ शौचालय को बच्चे भी इस्तेमाल कर सकते है।

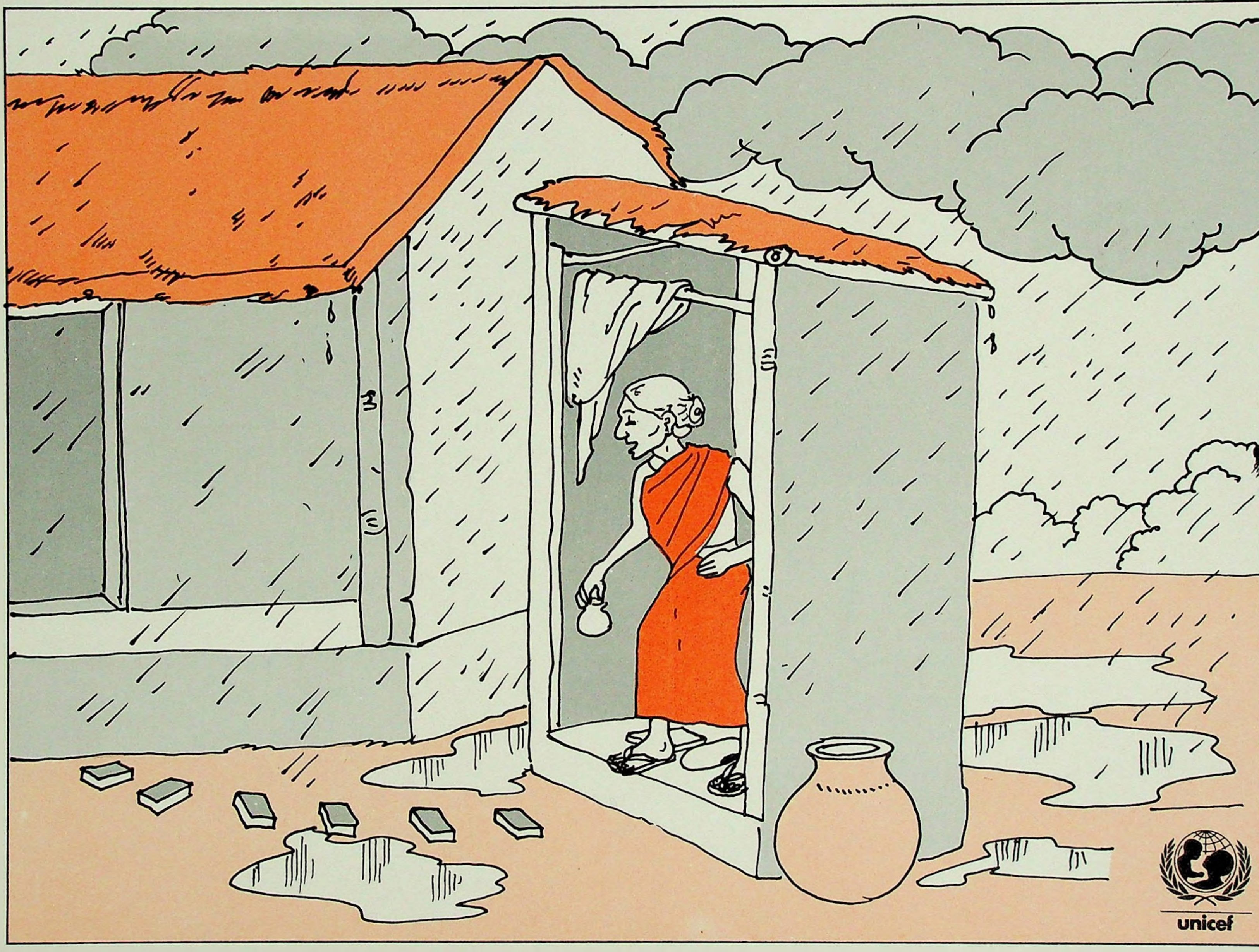
unicef

कार्ड-4

एक शौचालय के लिए अधिक भूमि की आवश्यकता नहीं है। साथ ही स्वच्छ शौचालय के उपयोग से दस्त, पेचिश, हैजा, मोतिझरा आदि रोगों का फैलाव भी रूकता है।

unicef

कार्ड-5

शौचालय दो प्रकार के होते हैं - थोडा सा पानी डालकर मल बहाने वाला जलबन्द शौचलय तथा सूखा शौचालय। सूखे शौचालय उन स्थानों के लिए उपयुक्त हैं जहाँ पानी कम हो तथा मल द्वार को पत्थर या पत्तियों से साफ करना पडता है ।

इस शौचालय में एक गड्ढा, एक बैठने का पाँवदान तथा उसको ढकने का ढांचा होता है । बैठने का स्थान लकड़ी या बांस का होता है जिसमें एक छेद होता है जिसके नीचे शौच के लिए एक गड्ढा होता है । इस शौच गड्ढे के ऊपर एक ढ़कना होता है ताकि उसमें मक्खियाँ न घुसें और दुर्गन्ध न फैले।

मानव मल का सुरक्षित निपटान-एक स्वच्छ शौचालय

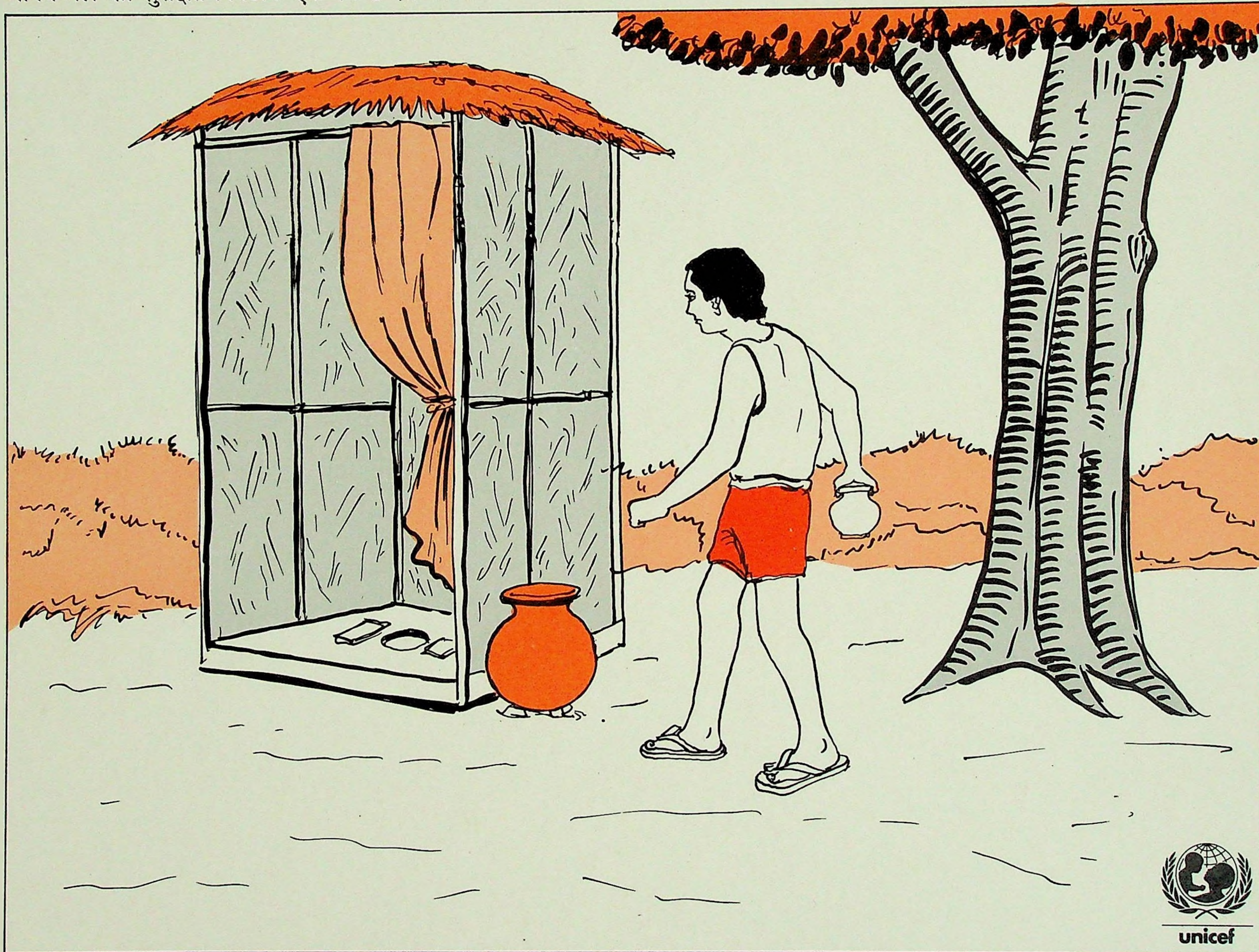

unicef

कार्ड-6

एक गड्ढ़े वाला सूखा शौचालय उचित रख - रखाव के अभाव में दुर्गन्ध व मक्खियों की समस्या से ग्रस्त होता है। इसको दूर करने के लिए, इस साधारण शौचालय को उन्नत हवादार गड्ढ़े (V.I.P.) में बदला जा सकता है। इस शौचालय में दुर्गन्ध दूर करने के लिए एक संवातनी पाइप तथा मक्खियों को मारने के लिए एक मक्खीजाली होती है।

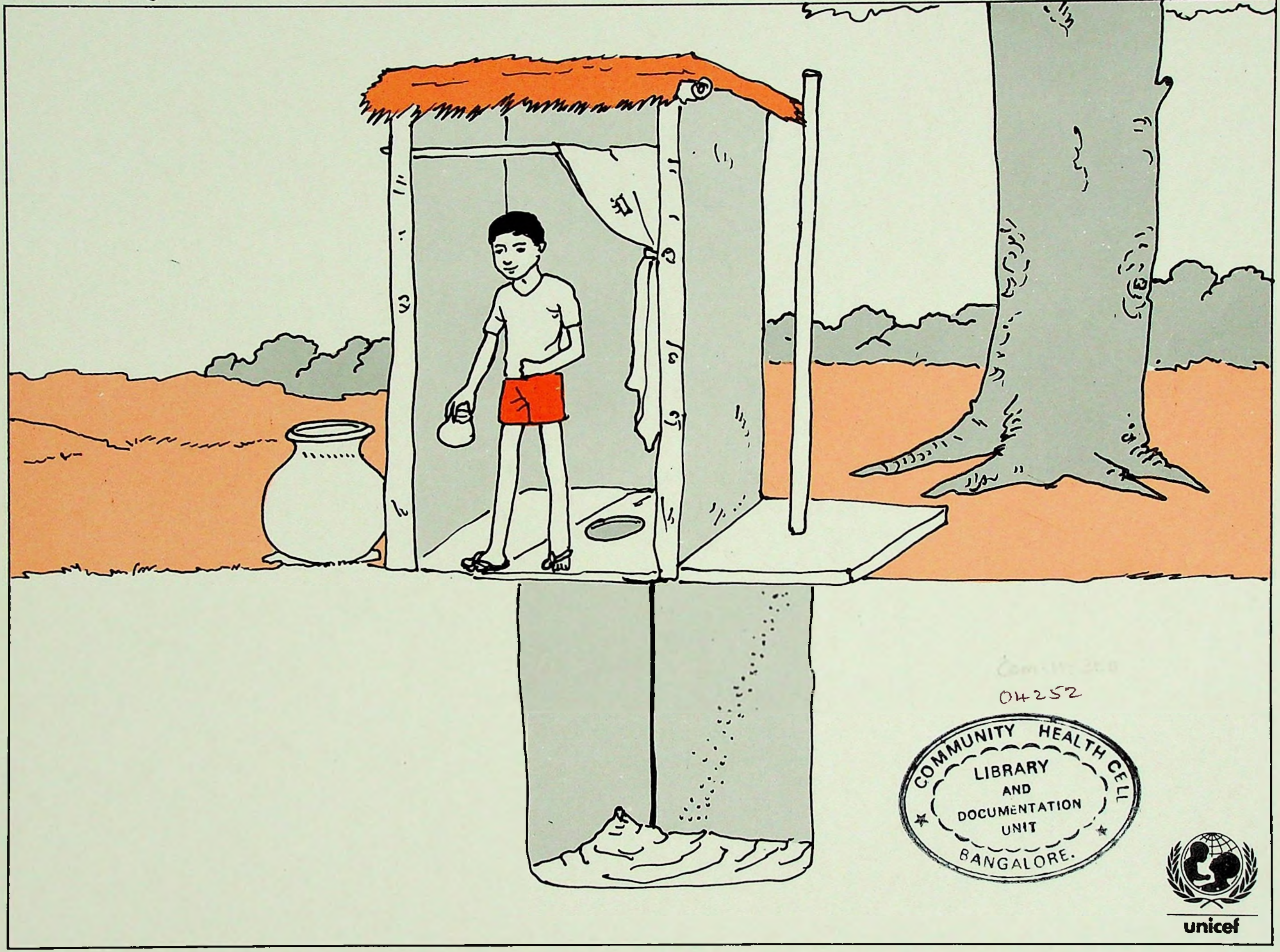

04252
COMMUNITY HEALTH CELL
LIBRARY AND DOCUMENTATION UNIT
BANGALORE.

कार्ड-7

काफी समय के उपयोग के बाद गड्ढ़ा भर जाता है तब एक नया गड्ढ़ा खोदकर पाँवदान व झोपडे का ढांचा नए गड्ढ़े के ऊपर रख दिया जाता है। भरे हुए गड्ढ़े को मिट्टी की मोटी परत से ढक कर स्थिर छोड़ दिया जाता है। लगभग दो साल में गड्ढ़े का मल खाद बन जाता है जिसे खोद कर खेतों में डाला जा सकता है।

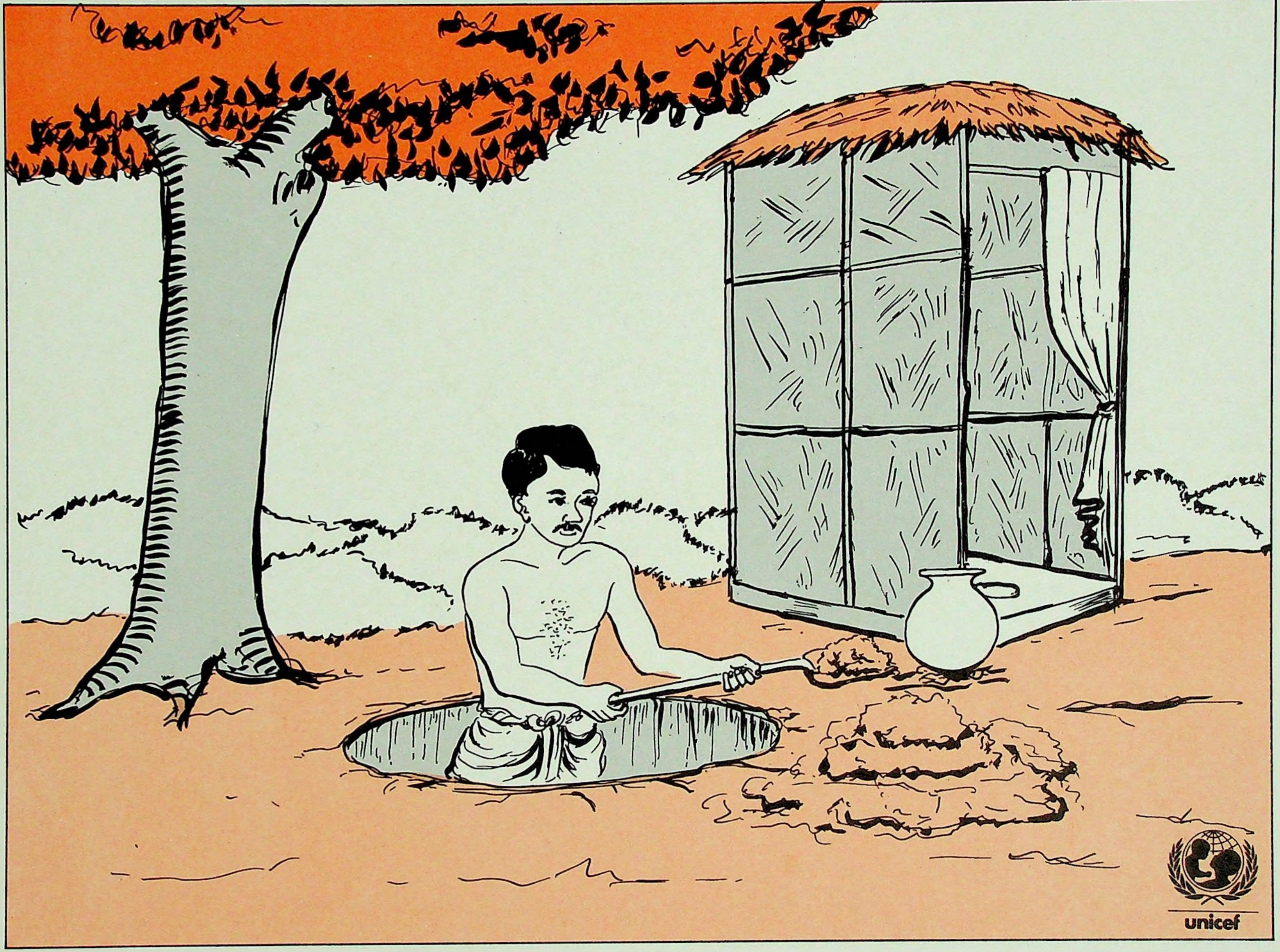

कार्ड-8

जहाँ पानी काफी हो और मलद्वार धोने के लिए काम आता हो वहाँ जलबन्द शौचालय का प्रयोग हो सकता है। इस शौचालय में मल को गड्ढे में बहाने के लिए बर्तन से पानी डाला जाता है। इसमें लगभग दो लीटर पानी लगता है। शौच के सीट में थोडा पानी हमेशा रहता है जिससे जलबन्द बन जाता है जो मक्खियों को भीतर जाने से और दुर्गन्ध को बाहर आने से रोकता है।

मानव मल का सुरक्षित निपटान-एक स्वच्छ शौचालय

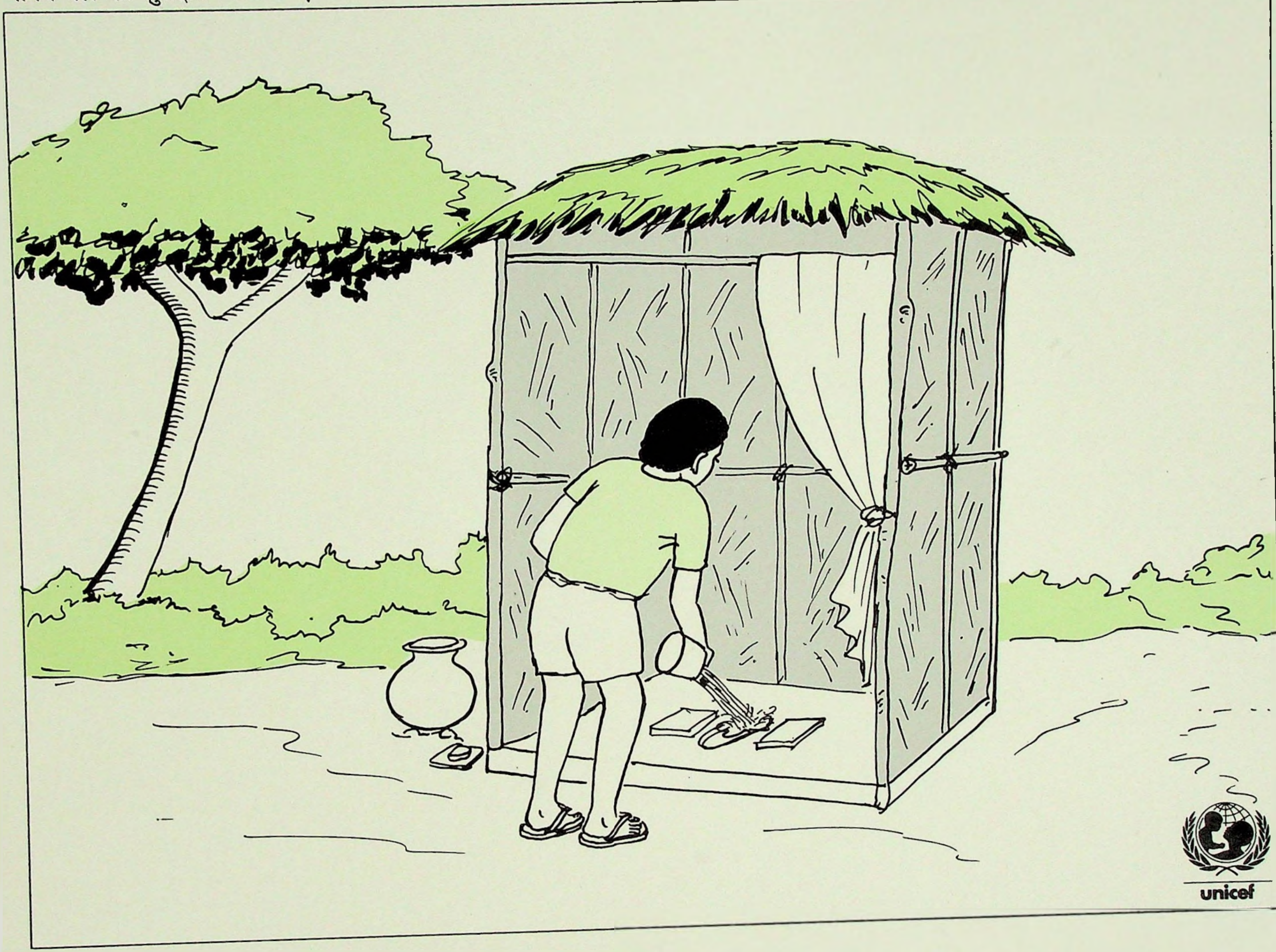

कार्ड-9

यह जलबन्द शौचालय कई प्रकार के हो सकते हैं - जिसमें प्रमुख सीधे गड्ढ़े वाला या दो गड्ढ़े वाला है। सीधे गड्ढ़े वाले में बैठने की सीट पक्की जमीन में लगी होती है जो कि गड्ढ़े के ठीक ऊपर होती है। इसमें सीट के नीचे जलबन्द बनता है। इसके ऊपर एकान्त के लिए झोपड़ी का ढांचा खड़ा कर दिया जाता है।

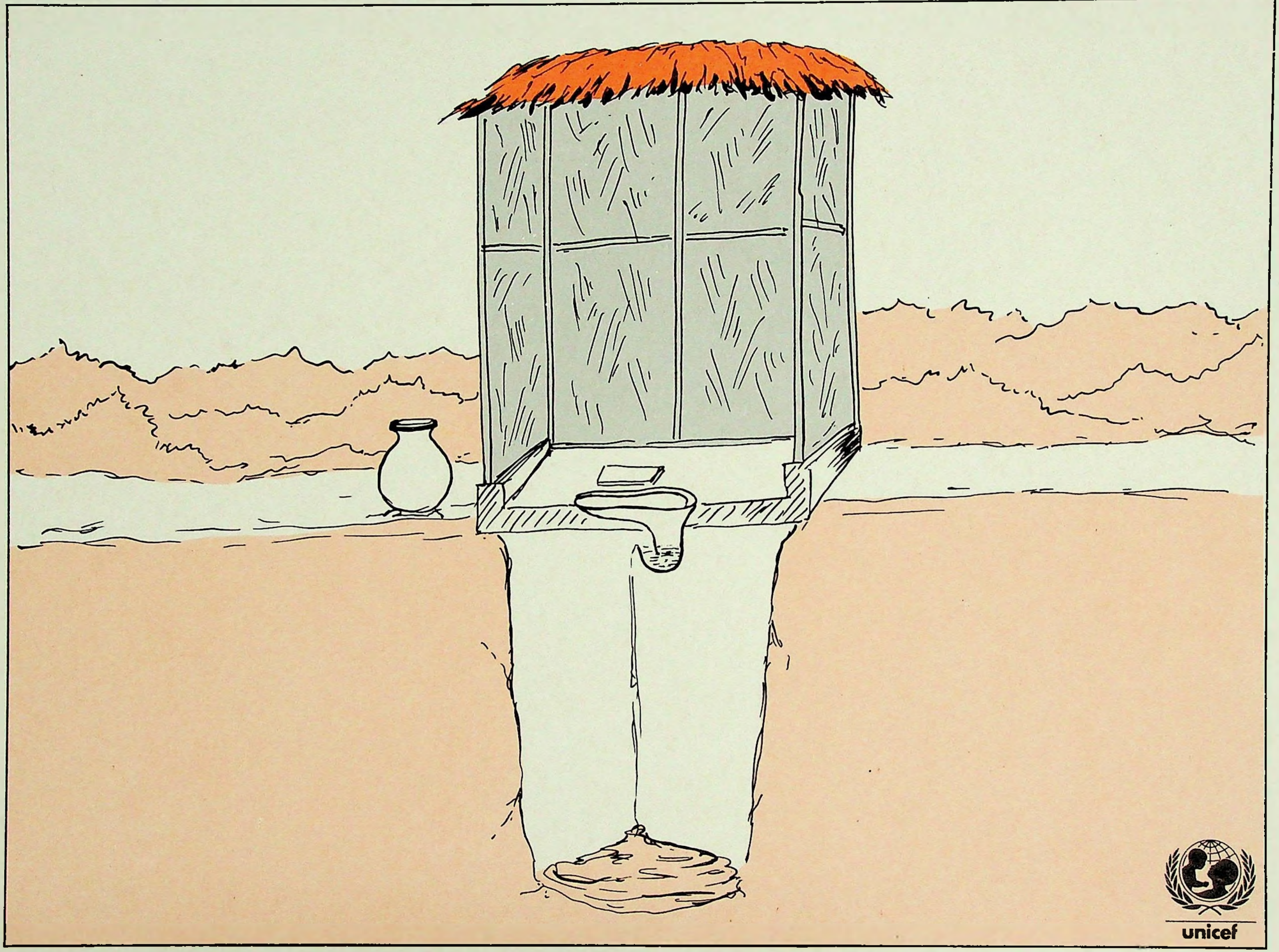
unicef

कार्ड-10

लम्बे समय तक जब इस्तेमाल के बाद गड्ढा भर जाता है तो नया गड्ढा खोद कर बैठने की सीट, ढाँचा आदि उसके ऊपर लगा दिया जाता है। पुराने गड्ढे को मिट्टी की मोटी तह से ढक कर दो वर्ष तक छोड़ दिया जाता है। इससे गड्ढे का मल खाद बन जाता है जो कि मनुष्यों के लिए सुरक्षित है और खेतों में प्रयोग किया जा सकता है।

मानव मल का सुरक्षित निपटान-एक स्वच्छ शौचालय

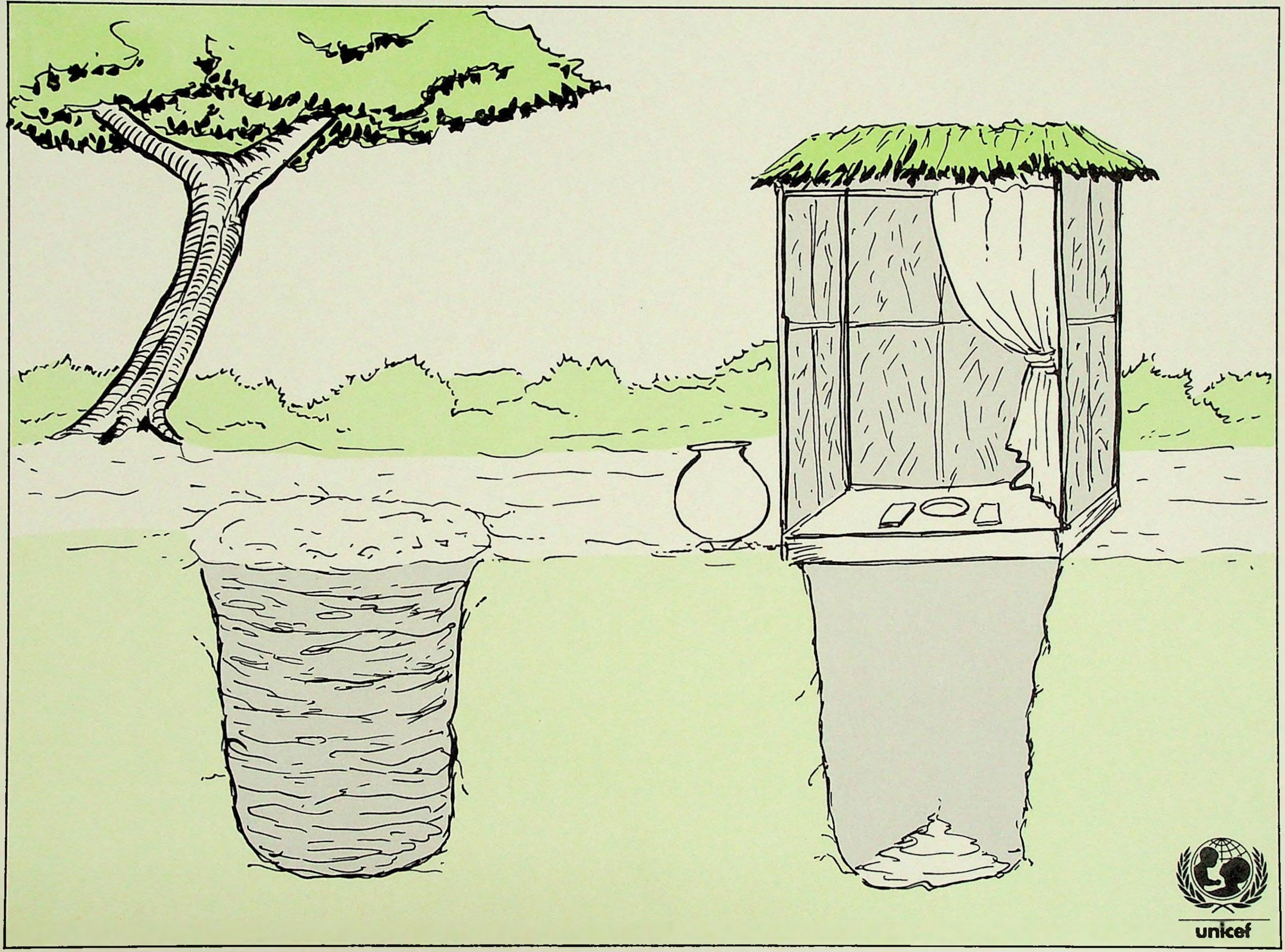

कार्ड-11

दूसरे प्रकार का शौचालय "दो गड्ढ़े वाला जलबन्द शौचालय" के नाम से लोकप्रिय है। इसमें बैठने का चबूतरा, एक जंक्शन चेम्बर, दो गड्ढ़े एवं एक ऊपरी ढांचा होता है। जंक्शन चेम्बर के एक तरफ का मुख शौचालय से व दूसरे तरफ के दो मुख दोनों गड्ढ़ों से जुड़े होते हैं। ऊपरी ढांचे को बनाने के लिए स्थानीय बांस, फूस, चटाई आदि का प्रयोग होता है।

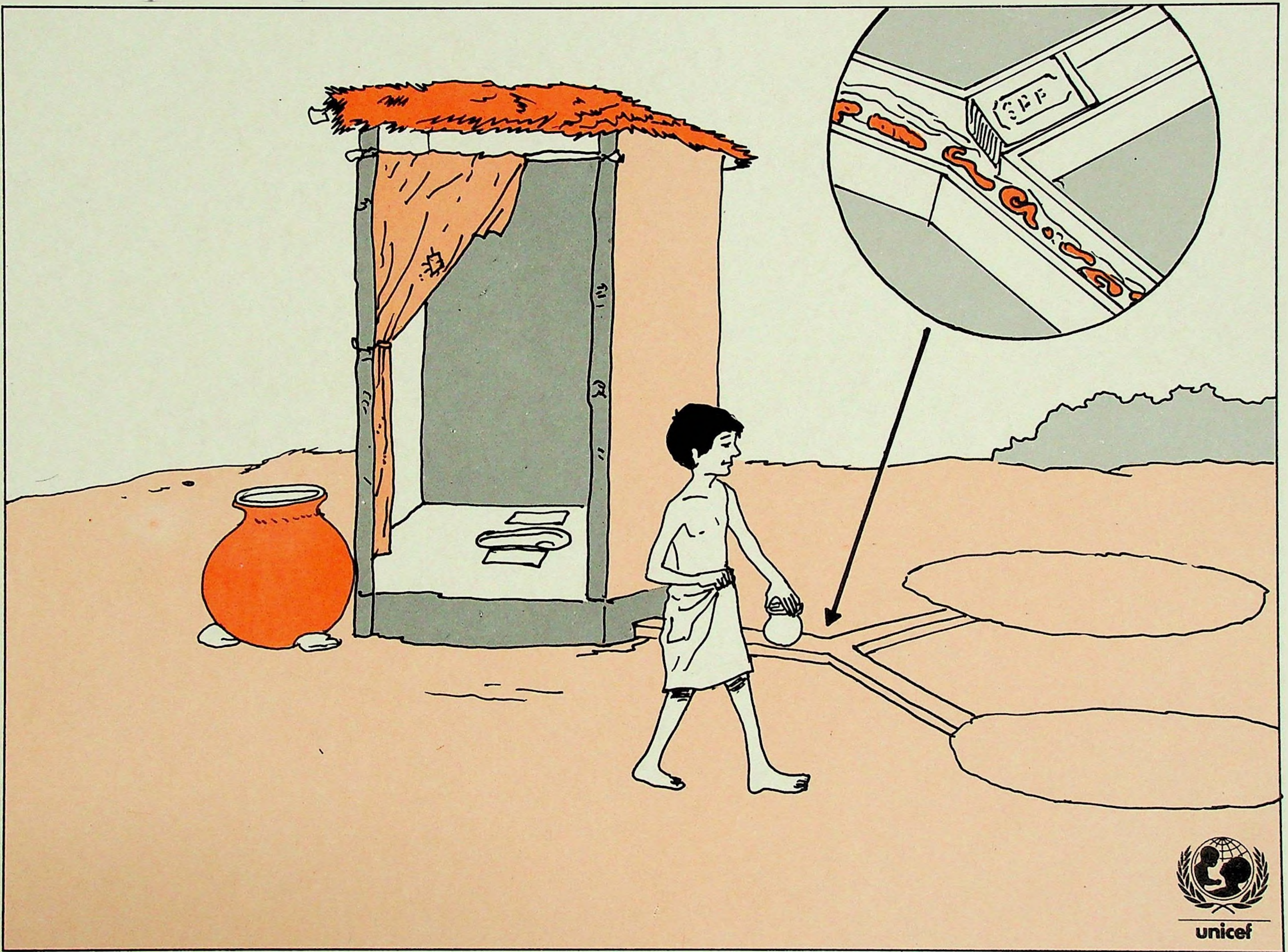

कार्ड-12

जब एक गड्ढ़ा प्रयोग में जाता है तो दूसरे गड्ढ़े का मुख जंक्शन चेम्बर से बन्द रखा जाता है। पाँच-छः लोगों के परिवार के लिए, एक मीटर गहरा और एक मीटर चौड़ा गड्ढ़ा भरने में तीन-चार साल लगते हैं।

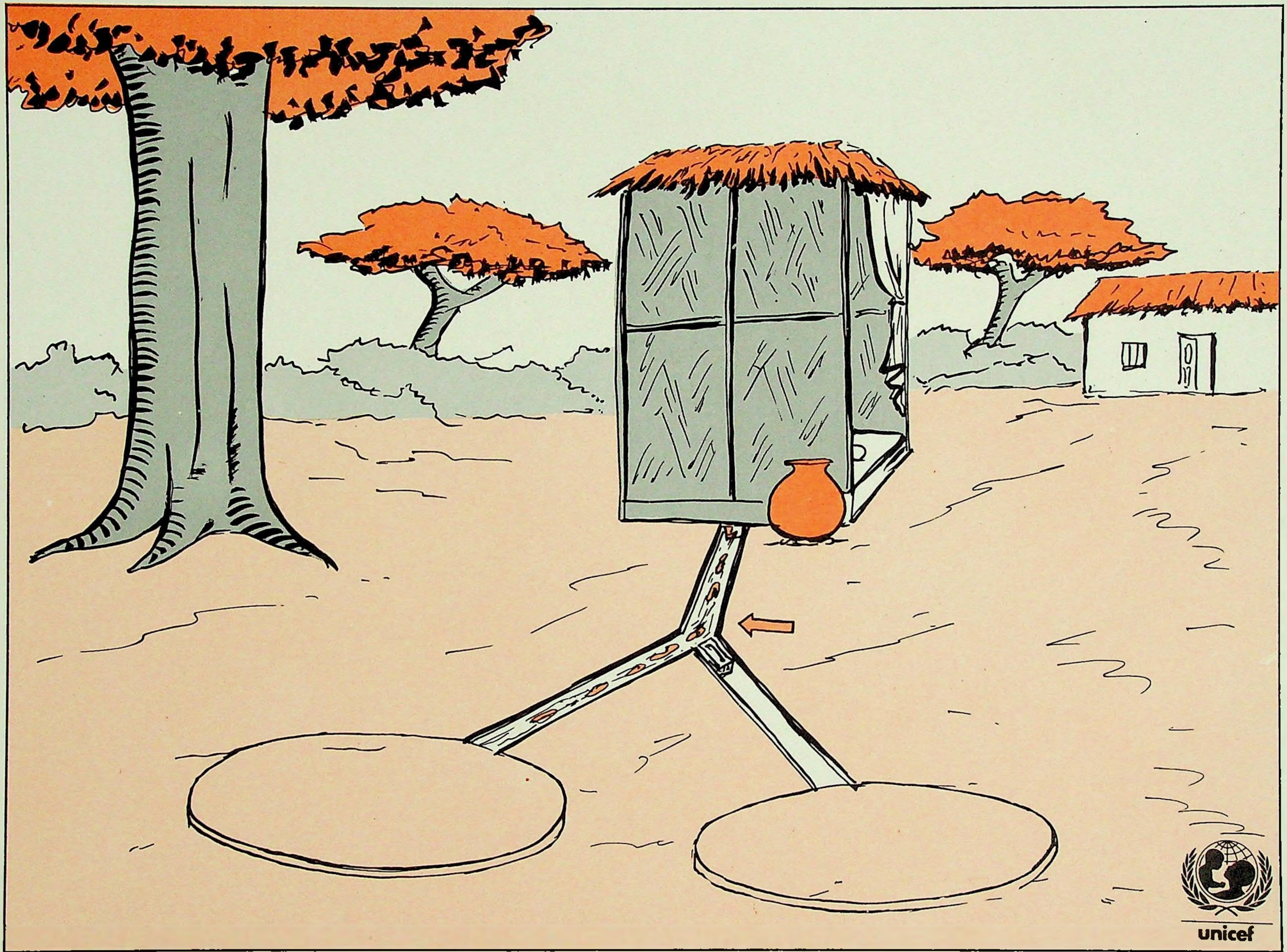

कार्ड-13

जब पहला गड्ढ़ा भर जाता है तो जंक्शन चेम्बर से पहले गड्ढे का मुख बन्द करके दूसरे गड्ढे का मुख खोल दिया जाता है। दो साल में पहले भरे हुए गड्ढे का मल खाद में बदल जाता है जो कि मनुष्य के लिए सुरक्षित है और खेतों में उपयोग किया जा सकता है।

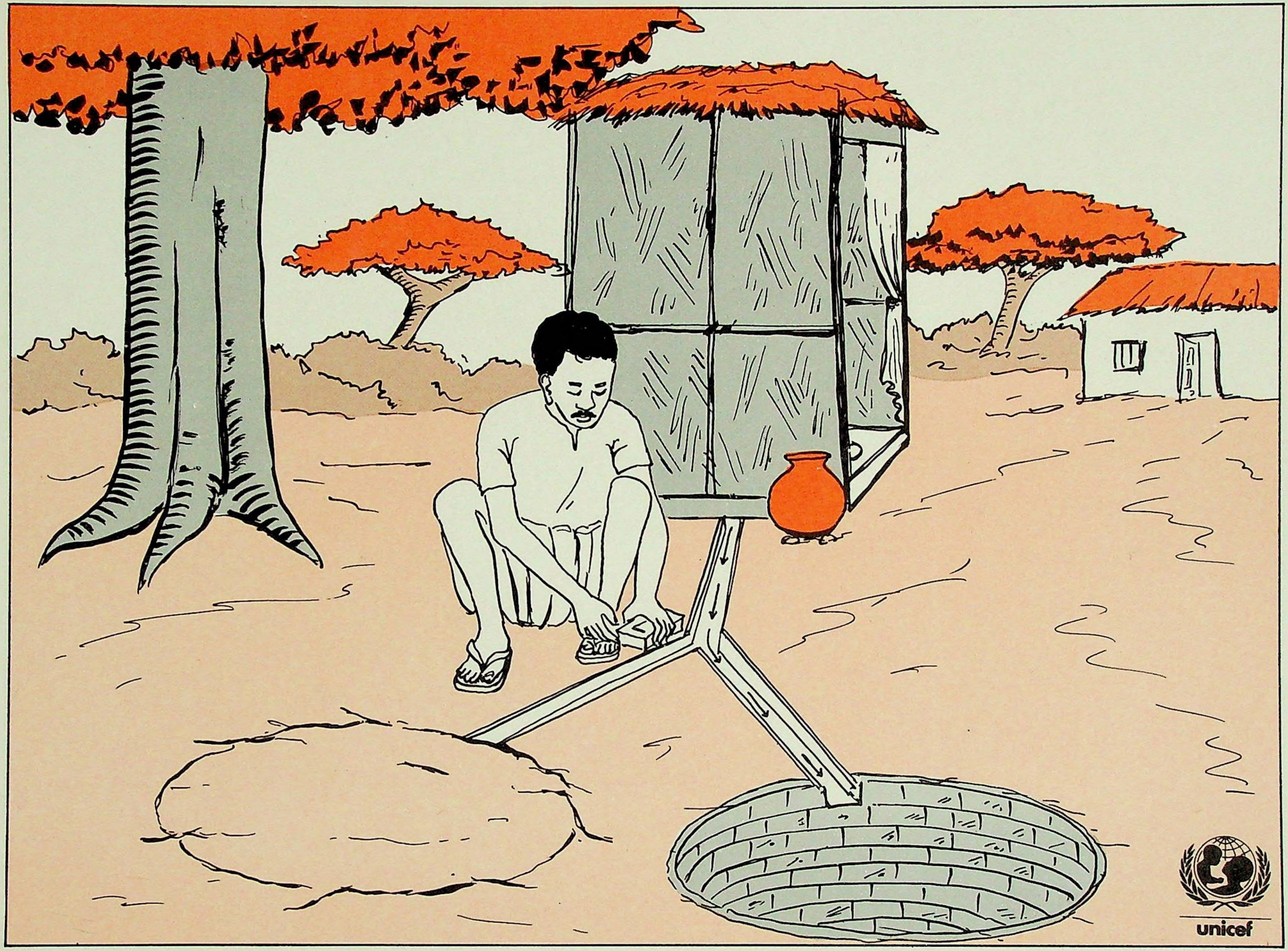
unicef

कार्ड-14

शौचालय के गड्ढे को बनाते समय हैण्डपम्प या कुएं जैसे भूमिगत जल के स्त्रोत सम्बन्धित महत्वपूर्ण तथ्य ध्यान में रखने चाहिये। जब गड्ढे का तला जल के स्त्रोत से तीन मीटर ऊंचा हो तो गड्ढे को जल के स्त्रोत से कम से कम दस मीटर दूर बनाना चाहिए।

पानी के स्रोत से कम से कम 10 मीटर की दूरी आवश्यक है।
unicef

कार्ड-15

लोगों को अपने सुविधानुसार चुनने के लिए तीन सौ रूपये व अधिक कीमत के शौचालयों के कई प्रकार हैं। इसलिए एक स्वच्छ शौचालय का निर्माण सस्ता व सरल है।

unicef

कार्ड–16

जबकि नुसरत एक शौचालय बनवाने के लिए पैसे बचा रही है, वह कुछ ऐसे कदम भी उठाती है जो कि खुले में शौच करने के कारण फैलने वाली बीमारियों को रोक सके। वह बच्चों तथा परिवार के सदस्यों को शौच के लिए घर से दूर जाने को प्रेरित करती है। वह शौच के उपरान्त मल के ऊपर मिट्टी डाल देती है ताकि मल पर मक्खी न बैठें तथा अन्य घरेलू जानवर न उसे खाएं न उस पर चले।

मानव मल का सुरक्षित निपटान-एक स्वच्छ शौचालय

16 कार्ड्स का सोलहवां कार्ड